

Hanuman sathika lyrics in Hindi

॥दोहा॥

बीर बखानौं पवनसुत,जनत सकल जहान ।
धन्य-धन्य अंजनि-तनय , संकर, हर, हनुमान्॥

www.shivaarti.com

॥ चौपाइयां ॥

www.shivaarti.com

जय जय जय हनुमान अडंगी ।
महावीर विक्रम बजरंगी ॥

जय कपीश जय पवन कुमारा ।
जय जगबन्दन सील अगारा ॥

जय आदित्य अमर अबिकारी ।
अरि मरदन जय-जय गिरधारी ॥

www.shivaarti.com

अंजनि उदर जन्म तुम लीन्हा ।
जय-जयकार देवतन कीन्हा ॥

बाजे दुन्दुभि गगन गम्भीरा ।
सुर मन हर्ष असुर मन पीरा ॥

कपि के डर गढ़ लंक सकानी ।
छूटे बंध देवतन जानी ॥

ऋषि समूह निकट चलि आये ।
पवन तनय के पद सिर नाये ॥

www.shivaarti.com

बार-बार अस्तुति करि नाना ।
निर्मल नाम धरा हनुमाना ॥

सकल ऋषिन मिलि अस मत ठाना ।
दीन्ह बताय लाल फल खाना ॥

सुनत बचन कपि मन हर्षाना ।
रवि रथ उदय लाल फल जाना ॥

रथ समेत कपि कीन्ह अहारा ।
सूर्य बिना भए अति अंधियारा ॥

www.shivaarti.com

विनय तुम्हार करै अकुलाना ।
तब कपीस की अस्तुति ठाना ॥

सकल लोक वृत्तान्त सुनावा ।
चतुरानन तब रवि उगिलावा ॥

कहा बहोरि सुनहु बलसीला ।
रामचन्द्र करिहैं बहु लीला ॥

www.shivaarti.com

तब तुम उन्हकर करेहू सहाई ।
अबहिं बसहु कानन में जाई ॥॥

असकहि विधि निजलोक सिधारा ।
मिले सखा संग पवन कुमारा ॥

www.shivaarti.com
खेलें खेल महा तरु तोरें ।
ढेर करें बहु पर्वत फोरें ॥

जेहि गिरि चरण देहि कपि धाई ।
गिरि समेत पातालहिं जाई ॥

www.shivaarti.com

कपि सुग्रीव बालि की त्रासा ।
निरखति रहे राम मगु आसा ॥

मिले राम तहं पवन कुमारा ।
अति आनन्द सप्रेम दुलारा ॥

मनि मुंदरी रघुपति सों पाई ।
सीता खोज चले सिरु नाई ॥

सतयोजन जलनिधि विस्तारा ।
अगम अपार देवतन हारा ॥

www.shivaarti.com

जिमि सर गोखुर सरिस कपीसा ।
लांघि गये कपि कहि जगदीशा ॥

सीता चरण सीस तिन्ह नाये ।
अजर अमर के आसिस पाये ॥

रहे दनुज उपवन रखवारी ।
एक से एक महाभट भारी ॥

तिन्हें मारि पुनि कहेउ कपीसा ।
दहेउ लंक कोप्यो भुज बीसा ॥

सिया बोध दै पुनि फिर आये ।
रामचन्द्र के पद सिर नाये ॥

www.shivaarti.com

मेरु उपारि आप छिन माहीं ।
बांधे सेतु निमिष इक माहीं ॥

लछमन शक्ति लागी उर जबहीं ।
राम बुलाय कहा पुनि तबहीं ॥

भवन समेत सुषेन लै आये ।
तुरत सजीवन को पुनि धाये ॥

www.shivaarti.com

मग महं कालनेमि कहं मारा ।
अमित सुभट निसिचर संहारा ॥

आनि संजीवन गिरि समेता ।
धरि दीन्हों जहं कृपा निकेता ॥

www.shivaarti.com

फनपति केर सोक हरि लीन्हा ।
वर्षि सुमन सुर जय जय कीन्हा ॥री

अहिरावण हरि अनुज समेता ।
लै गयो तहां पाताल निकेता ॥
www.shivaarti.com

जहां रहे देवि अस्थाना ।
दीन चहै बलि काढ़ि कृपाना ॥

पवनतनय प्रभु कीन गुहारी ।
कटक समेत निसाचर मारी ॥

रीछ कीसपति सबै बहोरी ।
राम लषन कीने यक ठोरी ॥

सब देवतन की बन्दि छुड़ाये ।
सो कीरति मुनि नारद गाये ॥

अछयकुमार दनुज बलवाना ।
कालकेतु कहं सब जग जाना ॥
www.shivaarti.com

कुम्भकरण रावण का भाई ।
ताहि निपात कीन्ह कपिराई ॥

मेघनाद पर शक्ति मारा ।
पवन तनय तब सो बरियारा ॥

रहा तनय नारान्तक जाना ।
पल में हते ताहि हनुमाना ॥

जहं लागि भान दनुज कर पावा ।
पवन तनय सब मारि नसावा ॥
www.shivaarti.com

जय मारुत सुत जय अनुकूला ।
नाम कृसानु सोक सम तूला ॥

जहं जीवन के संकट होई ।
रवि तम सम सो संकट खोई ॥

बन्दि परै सुमिरै हनुमाना ।
संकट कटै धरै जो ध्याना ॥

जाको बांध बामपद दीन्हा ।
मारुत सुत व्याकुल बहु कीन्हा ॥

सो भुजबल का कीन कृपाला ।
अच्छत तुम्हें मोर यह हाला ॥

आरत हरन नाम हनुमाना ।
सादर सुरपति कीन बखाना ॥

संकट रहै न एक रती को ।
ध्यान धरै हनुमान जती को ॥

www.shivaarti.com

धावहु देखि दीनता मोरी ।
कहाँ पवनसुत जुगकर जोरी ॥हा

कपिपति बेगि अनुग्रह करहु ।

आतुर आइ दुसइ दुख हरहु ॥

www.shivaarti.com

राम सपथ मैं तुमहिं सुनाया ।

जवन गुहार लाग सिय जाया ॥

यश तुम्हार सकल जग जाना ।

भव बन्धन भंजन हनुमाना ॥

www.shivaarti.com

यह बन्धन कर केतिक बाता ।

नाम तुम्हार जगत सुखदाता ॥

करौ कृपा जय जय जग स्वामी ।

बार अनेक नमामि नमामी ॥

www.shivaarti.com

भौमवार कर होम विधाना ।

धूप दीप नैवेद्य सुजाना ॥

मंगल दायक को लौ लावे ।

सुन नर मुनि वांछित फल पावे ॥

जयति जयति जय जय जग स्वामी ।

समरथ पुरुष सुअन्तरजामी ॥

अंजनि तनय नाम हनुमाना ।

सो तुलसी के प्राण समाना ॥

॥ दोहा ॥

www.shivaarti.com

जय कपीस सुग्रीव तुम, जय अंगद हनुमान ॥

राम लषन सीता सहित, सदा करो कल्याण ॥

बन्दौं हनुमत नाम यह, भौमवार परमान ॥

ध्यान धरै नर निश्चय, पावै पद कल्याण ॥

जो नित पढ़ै यह साठिका, तुलसी कहैं बिचारि ।

रहै न संकट ताहि को, साक्षी हैं त्रिपुरारि ॥

॥ सवैया ॥

आरत बन पुकारत हौं कपिनाथ सुनो विनती मम भारी ।

अंगद औ नल-नील महाबलि देव सदा बल की बलिहारी ॥

जाम्बवन्त् सुग्रीव पवन-सुत दिबिद मयंद महा भटभारी ।

दुःख दोष हरो तुलसी जन-को श्री द्वादश बीरन की बलि

www.shivaarti.com